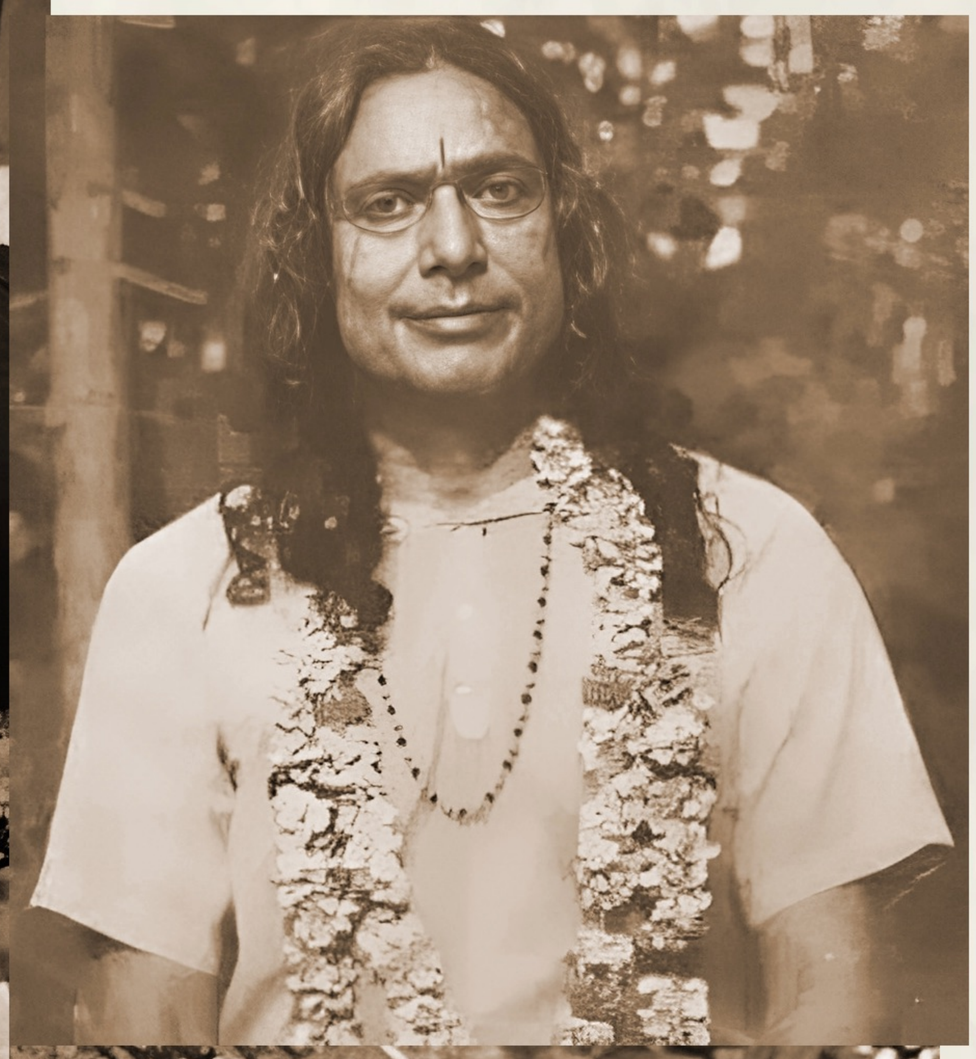

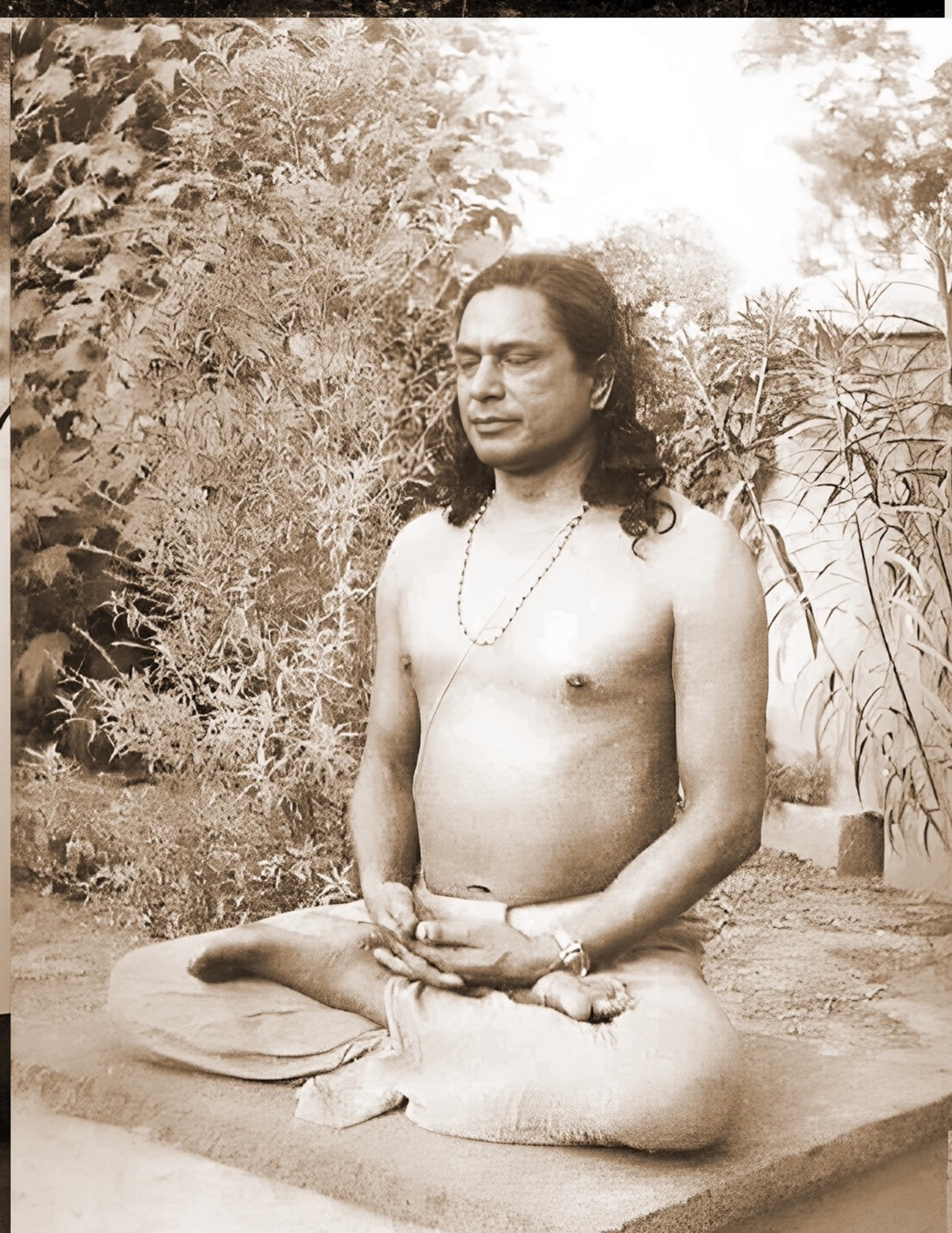

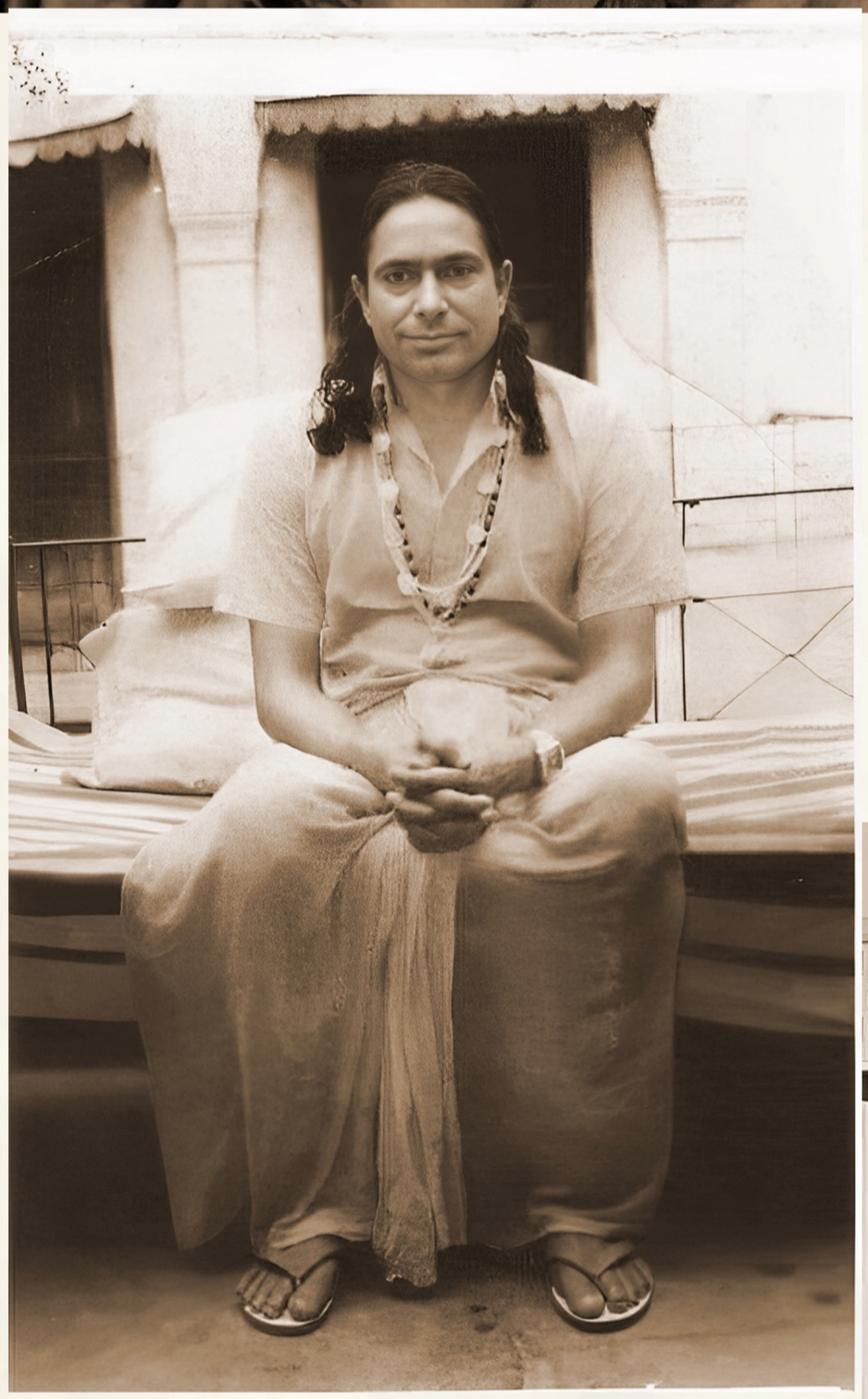

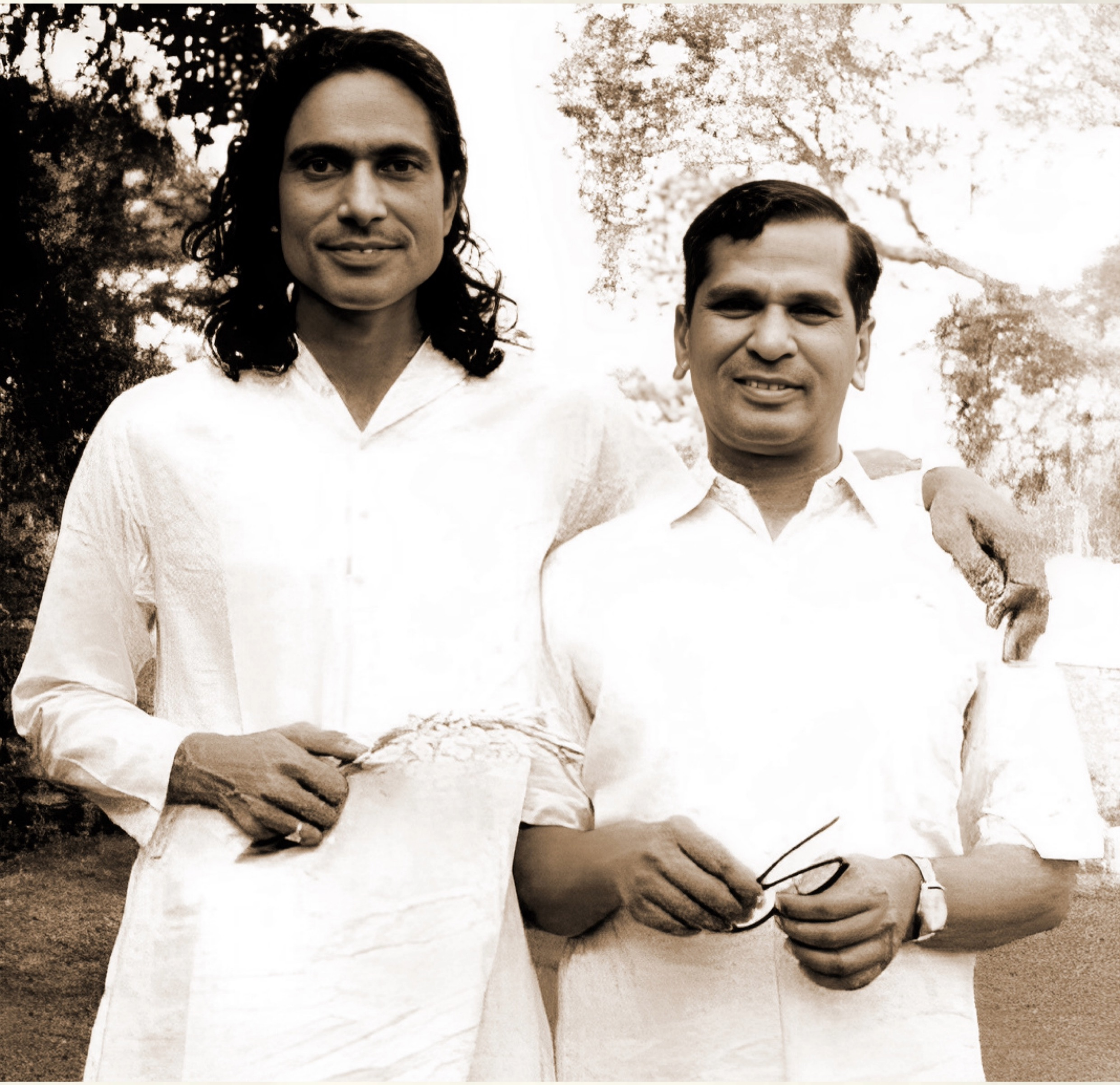

your are the source of all grace

मेरे कल्याण के लिए
आपके परिशर्मों की थाह नही है

॥ धन्यो मान्य जगद्गुरूत्तमपदः सोऽयं समभ्यर्च्यते ॥

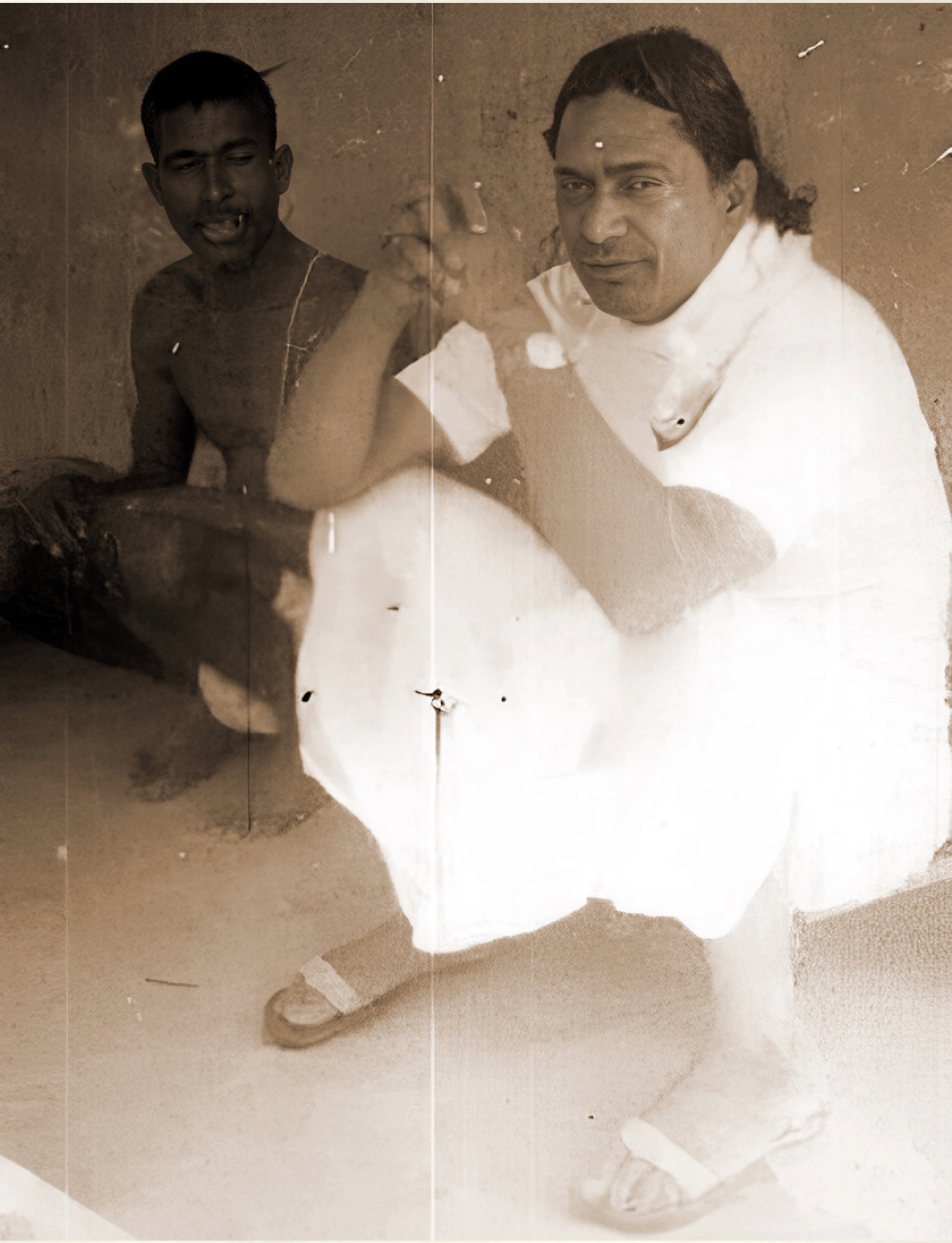

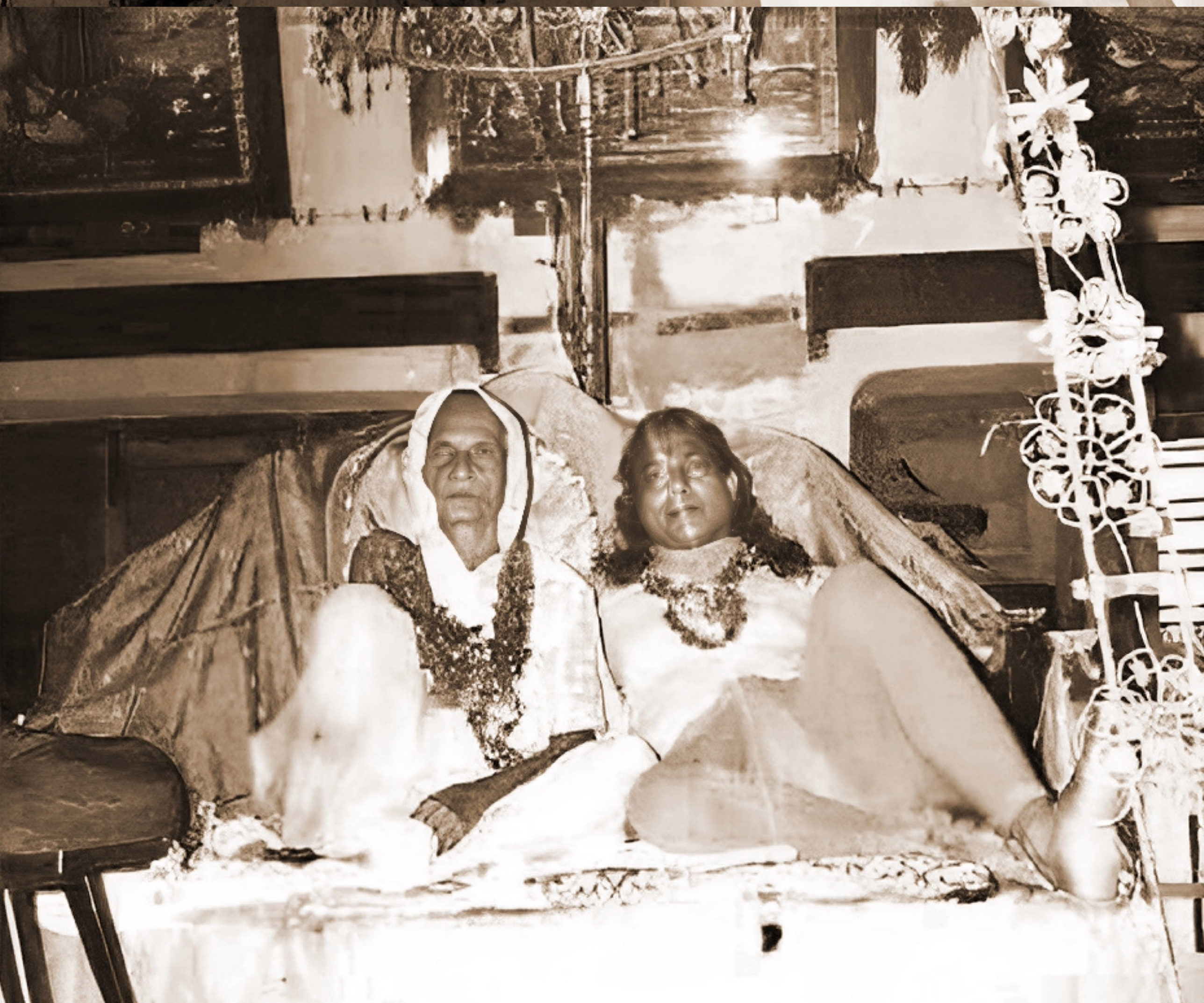

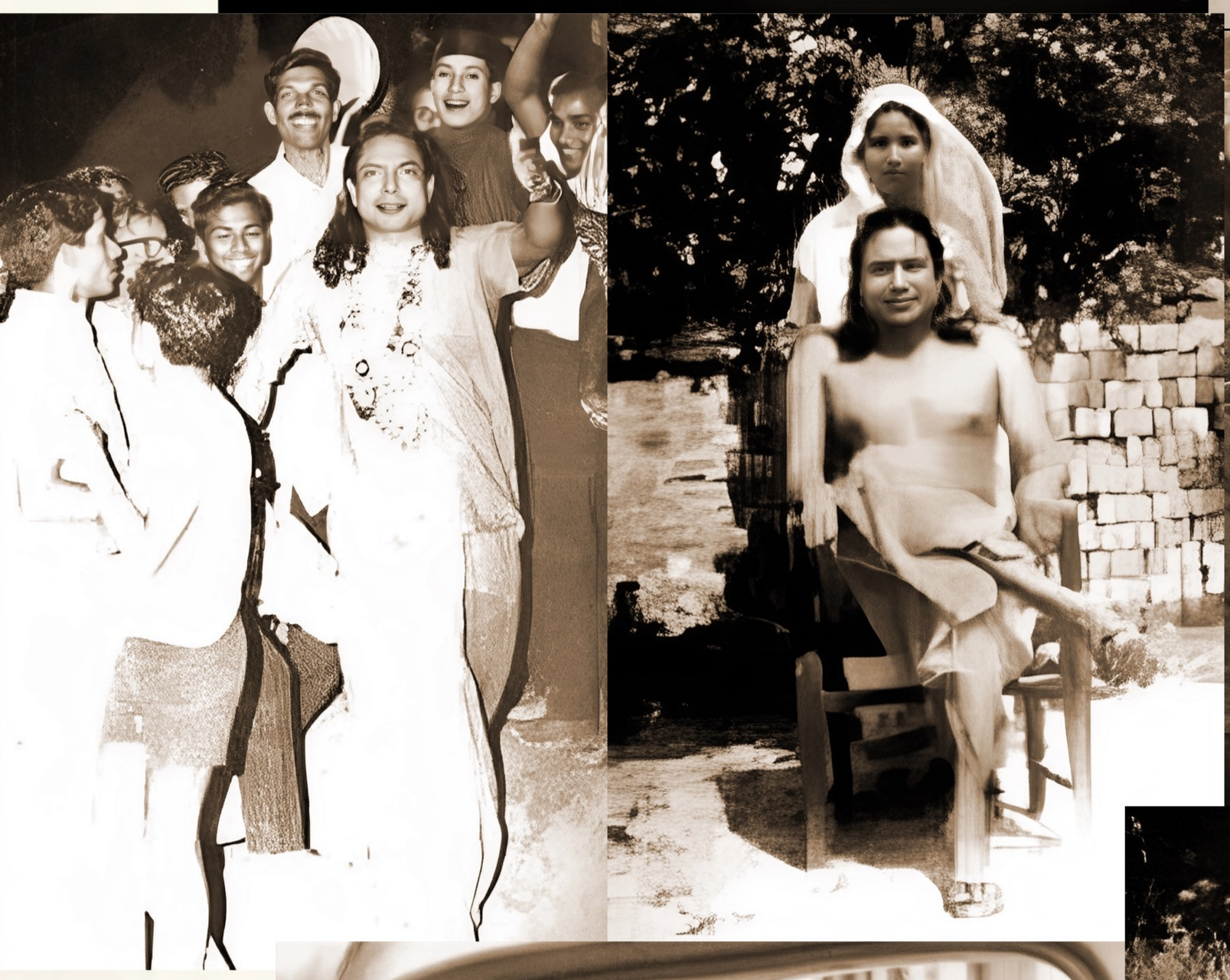

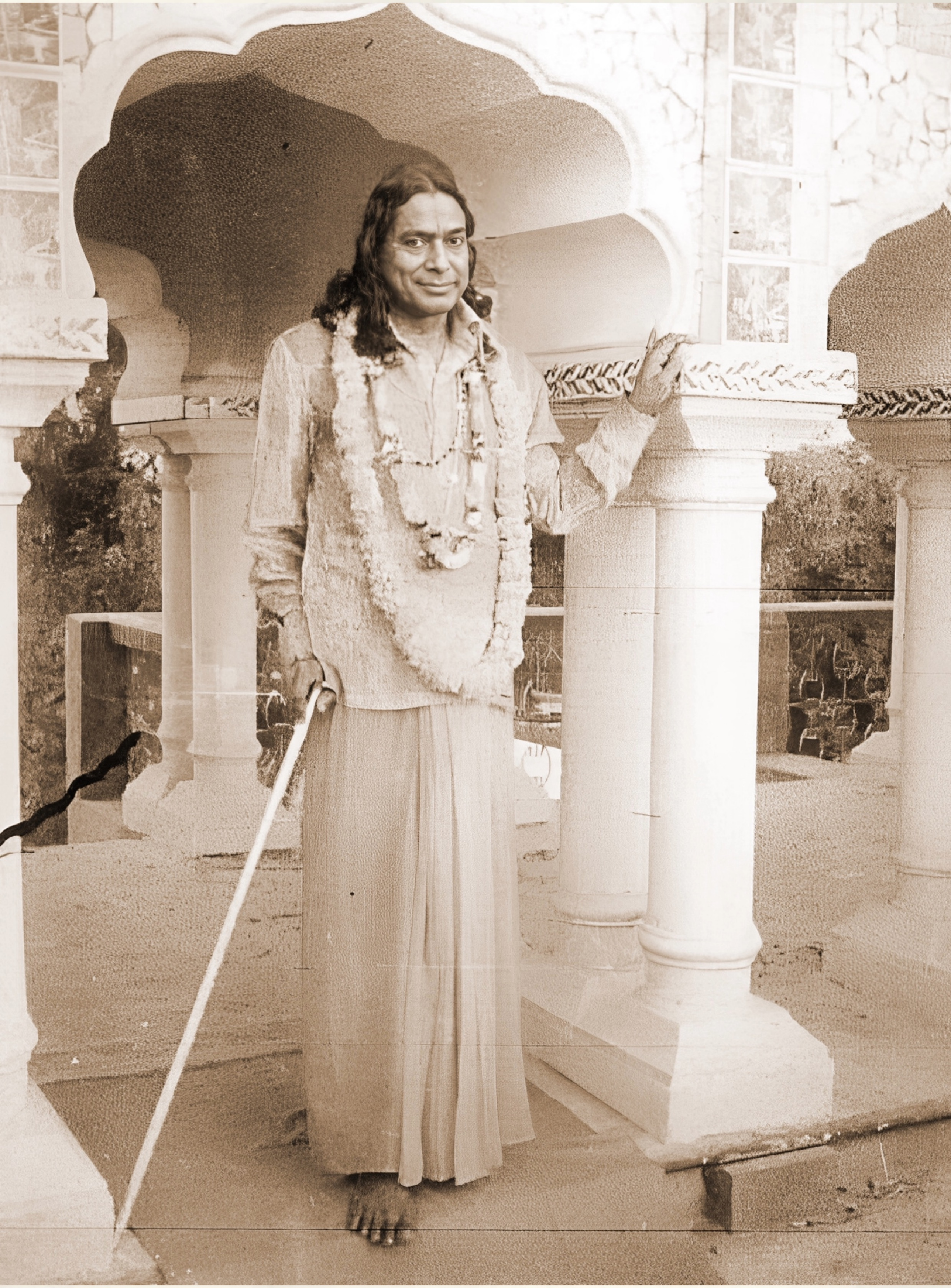

आपके ज्ञान की थाह नही है

you are gem, your words are gem

you came to my life like a sunrise
dispeling my stupidity

आपका कोई कर्म नही
आप केवल कृपा ही करते हो

your are the source of all grace